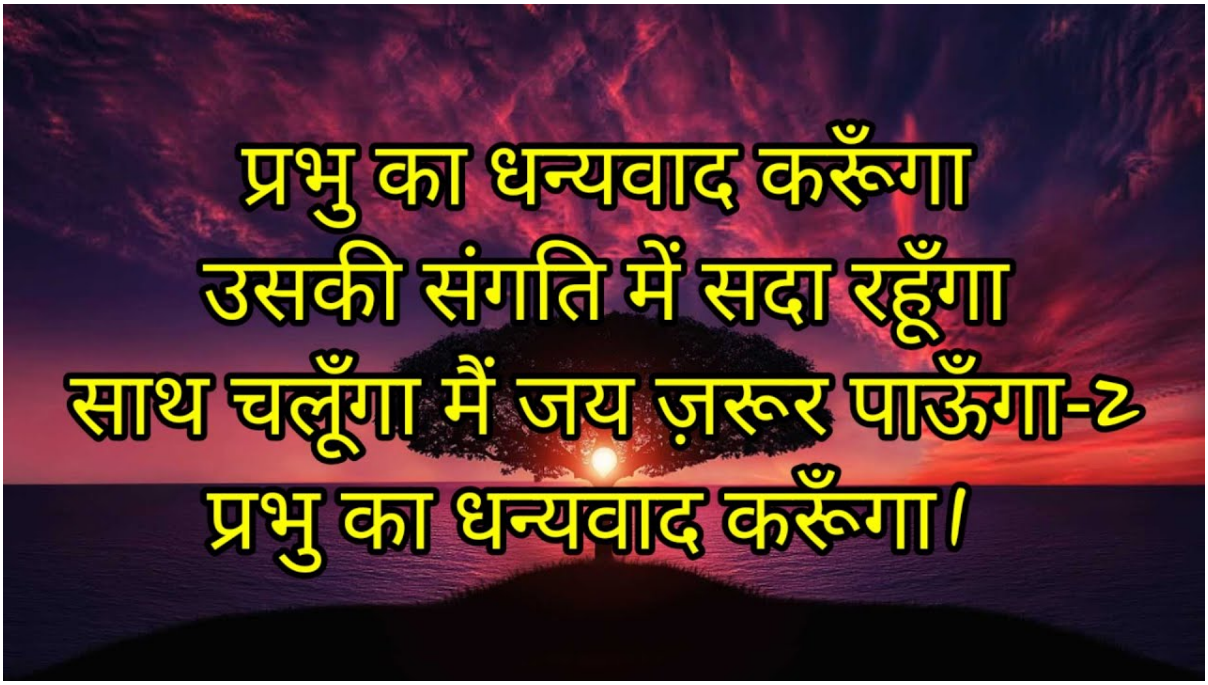
Prabhu Ka Dhanyavad Karunga Bhakti Song Lyrics In Hindi



प्रभु का धन्यवाद करुँगा
उस की संगति में, सदा रहूंगा
साथ चलूँगा मैं जय जरूर पाउंगा।

1. न देगी मुझे दुनिया कभी भी,
कोइ सुख और शांति आराम,
मेरे यीशु के साथ धन्य संगति में,
सदा मिलती खुशी मुझको।
प्रभु का .....

2. मेरी जिन्दगी की हर परेशानी में,
खुल जाता है आशा का द्वार,
कभी न डरूँगा कभी न हटूँगा,
चाहे जान भी देना पड़े।
प्रभु का .....

3. कितना अच्छा है वह, कितना धन्य है वह,
यीशु ही मेरे जीवन का साथी,

मेरी जरूरतों को पूरी करता है वह,
कोई घटी नहीं मुझको।
प्रभु का .....

4. मेरी आयु के दिन पग-पग में सदा,
तेरी सेवा तो पूरी करूँगा,
एक बत्ती समान जलता रहूँगा,
तेरी महिमा मेरी कामना।
प्रभु का .....

Lyrics Meaning In Hindi

"प्रभु का धन्यवाद करूँगा" गीत का हिंदी में अर्थ

यह गीत **यीशु मसीह के प्रति विश्वास, कृतज्ञता, समर्पण और उनके साथ जीवनभर चलने** की भावना व्यक्त करता है। गायक कहता है कि संसार चाहे सच्ची शांति और सुख न दे, लेकिन प्रभु यीशु की संगति में उसे आनंद, आशा और जीवन का सहारा मिलता है।

मुखड़ा — अर्थ

"प्रभु का धन्यवाद करूँगा,
उसकी संगति में सदा रहूँगा,
साथ चलूँगा मैं, जय जरूर पाऊँगा।"

अर्थ:
मैं हर परिस्थिति में प्रभु का धन्यवाद करता रहूँगा। मैं हमेशा यीशु के साथ संगति में रहना चाहता हूँ। यदि मैं उनके साथ चलता रहूँगा और उनके मार्ग पर विश्वास बनाए रखूँगा, तो अंततः जीवन की कठिनाइयों पर विजय प्राप्त करूँगा।

1. अंतरा — अर्थ

इस अंतरे में संसार और प्रभु से मिलने वाले सुख के बीच अंतर बताया गया है।

दुनिया हमेशा मनुष्य को **सच्ची शांति, संतोष और स्थायी आनंद** नहीं दे सकती। लेकिन यीशु के साथ रहने से ऐसी खुशी और शांति मिलती है जो परिस्थितियों पर निर्भर नहीं होती।

मुख्य संदेश :
सच्चा और स्थायी सुख संसार की वस्तुओं में नहीं, बल्कि प्रभु यीशु के साथ संबंध में है।

2. अंतरा — अर्थ

यह अंतरा कठिन समय में **आशा और साहस** की बात करता है।

जब जीवन में परेशानियाँ आती हैं, तब प्रभु के कारण निराशा के बीच भी आशा का रास्ता खुलता है। गीतकार संकल्प करता है कि वह डरकर पीछे नहीं हटेगा। चाहे परिस्थिति कितनी भी कठिन क्यों न हो, वह प्रभु पर अपना विश्वास बनाए रखेगा।

मुख्य संदेश :
मुश्किल परिस्थितियों में भी विश्वास नहीं छोड़ना चाहिए। प्रभु पर भरोसा रखने वाला व्यक्ति आशा और

साहस के साथ आगे बढ़ सकता है।

3. अंतरा — अर्थ

इस भाग में गीतकार प्रभु यीशु की **भलाई और विश्वासयोग्यता** की प्रशंसा करता है।

यीशु उसके जीवन के साथी हैं और उसकी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इसलिए उसे अपने जीवन में किसी चीज़ की कमी महसूस नहीं होती। यहाँ "कोई घाटी नहीं मुझको" का भाव यह है कि प्रभु की देखभाल और उपस्थिति के कारण वह अपने जीवन को सुरक्षित और धन्य मानता है।

मुख्य संदेश :
यीशु केवल आराधना के योग्य प्रभु ही नहीं, बल्कि जीवन के सच्चे साथी और पालनहार भी हैं।

4. अंतरा — अर्थ

अंतिम अंतरे में गीतकार अपने पूरे जीवन को **प्रभु की सेवा के लिए समर्पित** करने की इच्छा व्यक्त करता है।

वह चाहता है कि जीवन के प्रत्येक दिन और प्रत्येक कदम पर प्रभु की सेवा करता रहे। "एक बत्ती समान जलाता रहूँगा" का अर्थ है कि वह दीपक की तरह लगातार जलकर प्रभु की महिमा के लिए अपने जीवन का उपयोग करना चाहता है।

मुख्य संदेश :
हमारा जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि प्रभु की सेवा और उनकी महिमा के लिए होना चाहिए।

गीत का मुख्य आध्यात्मिक संदेश

इस पूरे गीत को एक वाक्य में समझें तो इसका संदेश है :

"हर परिस्थिति में प्रभु का धन्यवाद करते हुए, यीशु के साथ विश्वासपूर्वक चलते रहना, कठिनाइयों में न डरना और अपना पूरा जीवन उनकी सेवा तथा महिमा के लिए समर्पित करना।"

गीत में चार प्रमुख भाव दिखाई देते हैं:

कृतज्ञता → संगति → विश्वास → समर्पण

यानी पहले प्रभु के लिए धन्यवाद, फिर उनके साथ लगातार संगति, कठिन समय में विश्वास और अंततः पूरा जीवन उनकी सेवा के लिए समर्पित करना।

Prabhu Ka Dhanyavad Karunga
Prabhu Ka Dhanyavad Karunga
Uski sangati mey, sada rahunga
Sath chalung ga may jay Jarur paunga(2)

1. Na degi mujhe duniya kabhi bhi
koyi sukh aur shanti aram
mere yeshu ke sath dhanya sangati mey
sada milati khushi mujhako
Prabhu Ka Dhanyavad.....

2. Meri zindagi ki har pareshani mey

khul jata hai asha ka dwar
kabhi na darunga kabhi na hatung ga
chahe jan bhi dena padey
Prabhu Ka Dhanyavad....

3. Kitana ach cha hai woh
kitana dhanya hai woh
yesu hi mere jivan ka sathi
meri jaruratom ko puri karata hai woh
koyi ghati nahi mujhako
Prabhu Ka Dhanyavad....

4. Meri ayu ke din pag-pag mey sada
teri seva to puri karung ga
ek batti saman jalata rahung ga
teri mahima meri kamana
Prabhu Ka Dhanyavad....

Lyrics Meaning In English

“Prabhu Ka Dhanyavad Karunga” — Meaning in English

The song **“Prabhu Ka Dhanyavad Karunga”** is a Christian worship song expressing **gratitude, faith, trust, and commitment to Jesus Christ**. The singer declares that they will remain in fellowship with the Lord, walk with Him, overcome difficulties through faith, and continue serving Him throughout life.

Chorus

“Prabhu Ka Dhanyavad Karunga”
→ *I will give thanks to the Lord.*

“Uski sangati mein sada rahunga”
→ *I will always remain in His fellowship/presence.*

“Saath chalunga, main jay zarur paunga”
→ *I will walk with Him, and surely I will gain victory.*

The repeated chorus expresses a strong decision to **stay close to God and trust Him for victory**, regardless of circumstances.

---

1. Meaning

The first verse says that the world cannot ultimately give the believer the **true peace, happiness, and rest** they receive through Jesus.

The singer says:

The world may never give me true happiness, peace, and comfort, but in the blessed fellowship with my Jesus, I continually find joy.

The message is that **lasting joy comes from a relationship with Jesus**, rather than from worldly pleasures or circumstances.

---

2. Meaning

This verse speaks about facing **problems and difficult situations in life**.

The singer says that whenever difficulties come, an **"आशा का द्वार" — a door of hope** opens.

They make a courageous commitment:

I will never be afraid, and I will never turn back. Even if I have to give my life, I will remain faithful.

The central message is **unwavering faith and courage**. The believer chooses to remain with Christ even when following Him becomes difficult or costly.

---

3. Meaning

This verse praises Jesus for His goodness and faithfulness.

The singer describes Jesus as:

- **Very good and blessed**
- **The companion of their life**
- **The One who provides for their needs**
- **The One in whom they experience no true lack**

In simple English:

How good and blessed He is! Jesus is the companion of my life. He provides for all my needs, and I have no reason to feel that I am lacking.

The verse expresses **thankfulness for God's provision and His constant presence**.

---

4. Meaning

The final verse is a commitment to **serve God throughout life**.

The singer says:

Throughout all the days of my life, I will continue to serve You. I will keep burning like a

lamp, and my desire will be to glorify You.

The image of a **lamp continuing to burn** represents a life that keeps shining for God.

The main idea is:

“As long as I live, I want to serve the Lord faithfully and bring glory to His name.”

Overall Meaning of the Song

The song is essentially a **declaration of gratitude and complete trust in Jesus**.

It teaches that:

I will thank the Lord → stay close to Him → walk with Him → face difficulties without fear → trust Him for my needs → remain faithful → and serve Him throughout my life.

So, in natural English, the overall message could be expressed as:

“I will always thank my Lord and remain in His presence. I will walk with Him because I know He will lead me to victory. The world cannot give me the peace and joy that I find in Jesus. Even when life becomes difficult, I will not be afraid or turn away. Jesus is my faithful companion and provider. For all the days of my life, I will serve Him and let my life shine for His glory.”

Read the original article at:
https://www.lyricsofgana.com/prabhu-ka-dhanyavad-karunga-song-lyrics-in-hindi

SOCIAL MEDIA

Instagram | Facebook | YouTube